प्र ख्या प न

क बी र में वि द्रो ही - भा व

यह लघु शोध - प्रबंध मेरी मौलिक रचना है, जो एम्. फिल. [हिंदी] के प्रबंध के रूप में प्रस्तुत की जा रही है। यह रचना इससे पहले शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर या अन्य किसी विश्वविद्यालय की उपाधि के लिए प्रस्तुत नहीं की गई है।

आटपाडी.

दिनांक :- 16 नवम्बर,1992.

श्री. गणपतराव सर्जेराव नांगरे

शोध छात्र

डॉ. आनंद वास्कर एम्. ए., एम्. एड्. पी-एच्. डी. अध्यक्ष, हिंदी विभाग, कर्मवीर हिरे महाविद्यालय, गारगोटी - 416 209. [महाराष्ट्र]	स्नातकोत्तर अध्यापक हिंदी शोध निर्देशक	' आशियाना ' जे. पी. नाईक नगर, गारगोटी, जि. कोल्हापुर.

प्र मा ण प त्र

मैं डॉ. आनंद वास्कर, अध्यक्ष, हिंदी विभाग, कर्मवीर हिरे महाविद्यालय, गारगोटी यह प्रमाणित करता हूँ कि श्री. गणपतराव सर्जेराव नांगरे ने शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर की एम्. फिल. [हिंदी] उपाधि के लिए प्रस्तुत शोध - प्रबंध 'कबीर में विद्रोही - भाव' मेरे निर्देशन में बडे परिश्रम के साथ सफलतापूर्वक पूरा किया है। जो तथ्य प्रबंध में प्रस्तुत किये गये हैं, मेरी जानकारी के अनुसार सही हैं। श्री. नांगरे के शोध कार्य के बारे में मैं पूरी तरह से संतुष्ट हूँ।

गारगोटी.

दिनांक :- 16 नवम्बर, 1992.

डॉ. आनंद वास्कर

शोध निर्देशक.